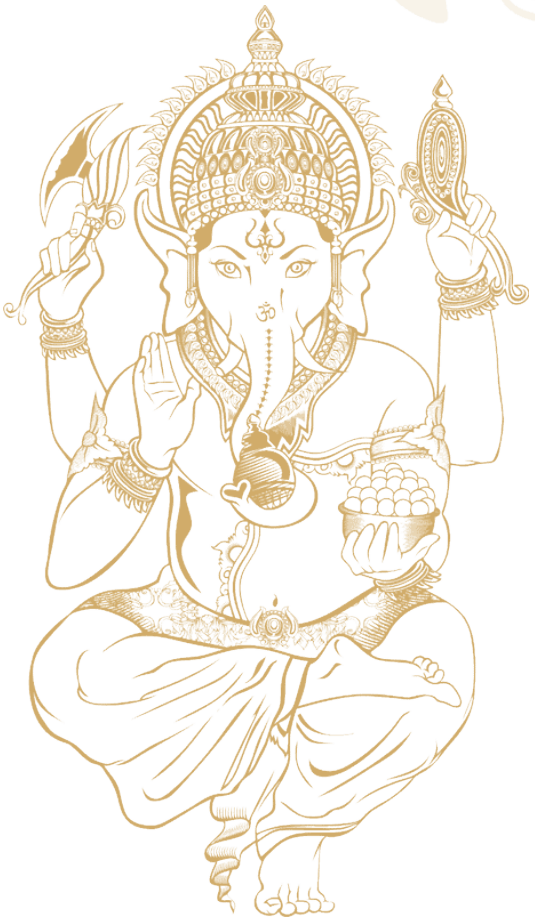

Jashiv

Deepika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121836802

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
18-19/02/1993 :	जन्म तिथि	: 10-11/08/1998
गुरु-शुक्रवार :	दिन	: सोम-मंगलवार
घंटे 03:11:00 :	जन्म समय	: 04:35:00 घंटे
घटी 50:14:17 :	जन्म समय(घटी)	: 56:57:57 घटी
India :	देश	: India
Hoshiarpur :	स्थान	: Ludhiana
31:30:00 उत्तर :	अक्षांश	: 30:56:00 उत्तर
75:59:00 पूर्व :	रेखांश	: 75:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:04 :	स्थानिक संस्कार	: -00:26:32 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
07:05:17 :	सूर्योदय	: 05:49:11
18:15:09 :	सूर्यास्त	: 19:14:05
23:45:59 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:50:08

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 1वर्ष 1मा 8दि		01:24:57	धनु	लग्न	कर्क	07:43:34	गुरु 1वर्ष 0मा 0दि	
राहु		06:29:24	कुंभ	सूर्य	कर्क	24:16:10	बुध	
30/03/2011		07:32:28	मक	चंद्र	मीन	02:29:56	11/08/2018	
30/03/2029		14:59:17	मिथु	मंगल	मिथु	29:47:12	11/08/2035	
राहु	10/12/2013	24:15:29	कुंभ	बुध व	कर्क	29:38:48	बुध	07/01/2021
गुरु	05/05/2016	20:14:37	कन्या व	गुरु व	मीन	03:18:16	केतु	04/01/2022
शनि	12/03/2019	18:59:49	मीन	शुक्र	कर्क	03:12:16	शुक्र	04/11/2024
बुध	28/09/2021	28:16:31	मक	शनि	मेष	09:46:20	सूर्य	10/09/2025
केतु	17/10/2022	25:11:05	वृश्चि व	राहु	सिंह	07:37:46	चन्द्र	10/02/2027
शुक्र	16/10/2025	25:11:05	वृष व	केतु	कुंभ	07:37:46	मंगल	07/02/2028
सूर्य	10/09/2026	26:39:55	धनु	हर्ष व	मक	16:37:34	राहु	26/08/2030
चन्द्र	11/03/2028	26:20:44	धनु	नेप व	मक	06:27:19	गुरु	01/12/2032
मंगल	30/03/2029	01:44:20	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:28:06	शनि	11/08/2035

लग्न-चलित

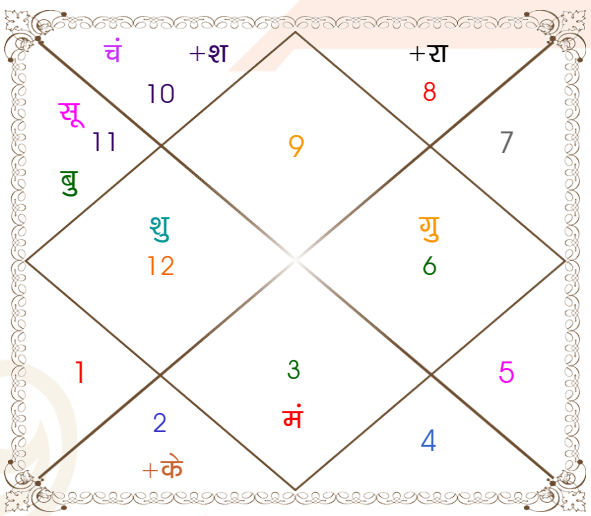

लग्न-चलित

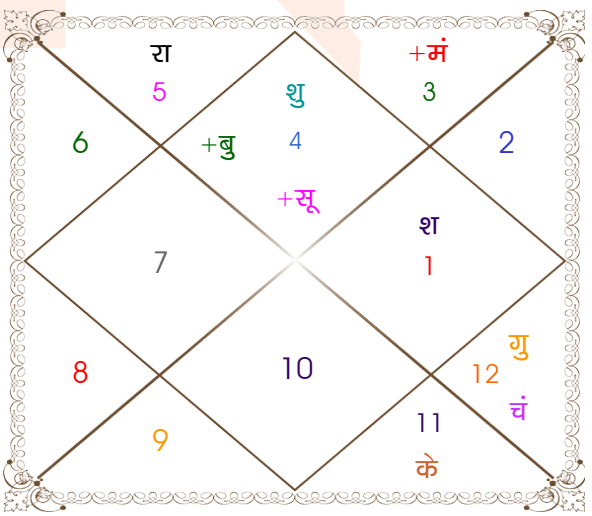

HARE KRISHNA ASTRO
ASTROLOGER SANDEEP ARORA
Shiffali Park Street , Sunder Nagar
Ludhiana .
9877727067

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.50		

श्रीपअ का वर्ग सिंह है तथा क्ममचपां का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार श्रीपअ और क्ममचपां का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

श्रीपअ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

क्ममचपां मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल क्ममचपां कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह

(राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु श्रीपअ कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

श्रीपअ तथा क्ममचपां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।